बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक–02.10.2019 समयः 07.00 बजे अपराह्न

माह सितम्बर 2019 में दिनांक 27.09.2019 से 30.09.2019 तक राज्य में अप्रत्याशित वर्षा होने एवं नदियों के जल स्तर में वृद्धि से पटना, भोजपुर, भागलपुर, नवादा, नालन्दा, खगड़िया, समस्तीपुर, लखीसराय, बेगूसराय, वैशाली, बक्सर, कटिहार, जहानाबाद, अरवल जिले मुख्य रूप से बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार दिनांक–27.09.2019 से दिनांक 29.09.2019 तक राज्य में कुल 207.6 एम.एम. औसत वर्षापात हुई, जबकि पटना जिला में दिनांक–27.09.2019 से दिनांक 29.09.2019 तक औसत 255.0 एम.एम. वर्षा हुई। **पटना शहर में ही उक्त अवधि में 342.5 एम.एम. औसत वर्षापात दर्ज की गई है।**

बाढ़ से 15 जिलों के 92 प्रखण्डों के 505 पंचायतों के अन्तर्गत कुल 959 गाँव की लगभग 21.45 लाख जनसंख्या प्रभावित हुई है। बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ 45 राहत शिविर एवं 324 सामुदायिक रसोई का संचालन किया जा रहा है। आबादी निष्क्रमन एवं आवागमन को सुगम बनाने हेतु कुल 1124 सरकारी एवं निजी नावों का संचालन किया जा रहा है। इन जिलों में बाढ़ से प्रभावित व्यक्तियों को एस0डी0आर0एफ0/एन0डी0आर0एफ0 टीमों के सहयोग से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। आबादी निष्क्रमन तथा राहत एवं बचाव कार्यों के निमित्त कुल **23 एन0डी0आर0एफ0/ एस0डी0आर0एफ0** टीमों को लगाया गया है, जिसमें गौहाटी से बुलाये गये एन0डी0आर0एफ0 के अतिरिक्त 4 टीमें शामिल हैं। अबतक अत्यधिक वर्षापात जनित कारणों एवं बाढ़ से डूबने के कारण **73 मानव क्षति एवं 09 व्यक्ति घायल** होने की सूचना प्राप्त हुई है।

पटना शहर के जल–जमाव वाले क्षेत्रों में स्थिति से निपटने के लिये निम्न कार्रवाई की जा रही है :–

1. स्थिति से निपटने के लिए **एन0डी0आर0एफ0 की 6 टीमों एवं एस0डी0आर0एफ0 की 2 टीमों** को **60 मोटरबोटों** के साथ लगाया गया है। जल–जमाव के कारण अपने घरों में फसे हुए **कुल 21157 लोगों** को एन0डी0आर0एफ0/एस0डी0आर0एफ0 टीमों के सहयोग से सुरक्षित स्थानों पर लाया गया है। अबतक कुल **69752 आबादी को निष्क्रमित** किया गया है। **667 मरीजों एवं 74 गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुँचाया** गया है।

2. जल–जमाव वाले क्षेत्रों में प्रभावितों के बीच में वायुसेना के **दो हेलिकॉप्टर** से फूड पैकेट्स गिराये गये हैं। फूड पैकेट में चुड़ा, गुड़, मोबवत्ती, दीया–सलाई, पानी का बोतल एवं आलू शामिल है। लगभग **7500 फूड पैकेट** गिराया गया है।

3. जिला प्रशासन के द्वारा पेयजल, फूड पैकेट एवं दुग्ध का वितरण भी कराया जा रहा है तथा **02 स्थानों पर निःशुल्क कम्युनिटी किचेन** का संचालन किया जा रहा है। पटना जिला प्रशासन द्वारा अबतक **124750 पानी का बोतल, 56000 पानी का पाउच, 21500 दूध का पैकेट, 200 ग्राम का 500 दुध पाउडर का पैकेट एवं 24960 फूड पैकेट** का वितरण किया जा चुका है।

4. जल–जमाव वाले क्षेत्रों में जल निकासी हेतु पटना नगर निगम द्वारा कार्रवाई की जा रही है। जल निकासी हेतु **तीन अतिरिक्त बड़ी क्षमता वाली पम्प विलासपुर** से लाया गया है, जिसे उपयोग में लाया जा रहा है, जिससे तेजी से जल–जमाव क्षेत्र में पानी की निकासी हो रही है।

5. जल–जमाव क्षेत्रों में साफ–सफाई, फॉगिंग एवं ब्लिचिंग पॉउडर के छिड़काव के लिए **नगर निगम, पटना के 75 टीम को दिनांक** 03.10.2019 से प्रतिनियुक्त किया गया है। इन टीमों के साथ जीवन रक्षक दवा एवं हैलोजन टैबलेट के निःशुल्क वितरण हेतु **स्वास्थ्य विभाग के 75 टीमों** को भी सम्बद्ध किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जल जमाव वाले क्षेत्रों में पूजा पंडलों में भी चिकित्सा शिविर लगाया जा रहा है।

6. अप्रत्याशित एवं अत्यधिक वर्षापात होने के कारण पटना शहर में जल–जमाव की स्थिति उत्पन्न होने के कारण संबंधित कुछ क्षेत्रों में विद्युत सब स्टेशनों में पानी घुसने के कारण विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध हो गयी थी, जिसे पुनर्ऊर्जान्वित करने हेतु पावर सब स्टेशनों से पानी निकालने का कार्य लगातार चल रहा है। वर्त्तमान में कंकड़बाग एवं हनुमान नगर में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बहाल कर दी गयी है। राजेन्द्र नगर में 60–70% इलाकों में विद्युत आपूर्ति शुरू कर दी गयी है तथा शेष क्षेत्रों में जलस्तर में कमी होने पर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जायेगी।

स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।